Chapter- 7

स्वतंत्रता का महत्व

STUDY NOTES

विषय सारांश:

- राधा नामक एक लड़की अपने माता-पिता के साथ शहर में लगा मेला देखने जा रही थी।
- उसकी नज़र एक आदमी पर पड़ी जो अपने हाथों में तीन-चार पिंजरे लेके जा रहा था।
- उन पिंजरों में रंग-बिरंगी, सुंदर-सुंदर चिड़ियाँ बंद थी।
- राधा ने अपने पिता से एक चिड़िया दिलवाने को कहा।
- पिता ने उसे समझाने कि कोशिश की कि चिड़िया का घर खुला आसमान होता है। उसे बंद करके रखना सही नहीं।
- राधा की जिद् के कारण उसके पापा पिंजरे में बंद एक सुंदर चिड़िया खरीद लाए।
- राधा उसके खाने पीने का खूब ध्यान रखती थी और उसे बहुत प्यार करती थी।
- ऐसे-ऐसे छह महीने बीत गए।
- एक दिन जब राधा की माँ बाजार गई तो घर का दरवाज़ा बाहर से बंद करके गई।
- उस समय राधा बाथरूम में थी और माँ ने जल्दी में कमरे को बाहार से लॉक कर दिया।
- राधा कमरे में अकेली भी उसे डर और घुटन महसूस होने लगी।
- वह घबरा कर रोने लगी।
- माँ सवा घंटे बाद लौटी तो राधा को बाहर निकाला।
- इस घटना से राधा को स्वतंत्रता का महत्व और कैद में रहने का कष्ट समझ में आ गया।
- उसने चिड़िया को आज़ाद कर दिया।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

अभ्यास के लिए

१. **श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास –**

पिंजरे	चिड़ियाँ	प्रबंध	मोहल्ले
दरवाज़ा	बाज़ार	ऑफिस	घबराना
आवाज़	बाहर		

२. **कम से कम शब्दों मे उत्तर दीजिए –**

क) राधा क्या पहनकर मेले में जा रही थी ?

उ- राधा सुंदर नए कपड़े पहनकर मेले में जा रही थी।

ख) आदमी ने अपने हाथों में क्या ले रहा था ?

उ- आदमी ने अपने हाथों में तीन-चार पिंजरे ले रखे थे जिनमें सुंदर सुंदर रंग-बिरंगी चिड़ियाँ बंद थी।

ग) राधा खुश क्यों हुई ?

उ - राधा के पापा ने उसे पिंजरे में बंद एक सुंदर चिडिया दिलवा दिया। इसलिए वह खुश हुई।

घ) राधा ने घर आते ही किसका प्रबंध किया ?

उ - राधा ने घर आते ही चिड़िया के लिए खाना और पानी का प्रबंध किया।

ङ) राधा की मम्मी किसके साथ बाज़ार गई ?

उ - राधा की मम्मी पड़ोस की प्रेमा आंटी के साथ बाज़ार गई थी।

लिखित

१. **उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –**

क) चिड़िया स्वतंत्र होना चाहती।

ख) भारतवासी अंग्रेजों की गुलामी से आज़ाद होना चाहते थे।

ग) मुझे बीमारी से <u>मुक्ति</u> चाहिए।

घ) वातावरण को प्रदूषण से <u>बचाना</u> चाहिए।

ङ) कैदी को जेलखाने से <u>रिहाई</u> चाहिए।

२. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) राधा ने मेले से क्या खरीदा था ?

उ - राधा ने मेले से पिंजरे में बद एक सुंदर चिड़िया खरीदा था।

ख) राधा की मम्मी उसे अकेला छोड़कर कहाँ चली गई थीं ?

उ - राधा की मम्मी उसे अकेला छोड़कर बाज़ार चली गई थीं।

ग) मम्मी के जाने के बाद क्या घटना घटी ?

उ - मम्मी के जाने के बाद राधा बाथरूम से निकली तो कमरे को बाहर से बंद पाया। उसे डर तथा घुटन महसूस होने लगी और वह रोने लगी।

घ) पापा ने राधा का दिल बहलाने के लिए क्या किया ?

उ - पापा में राधा का दिल बहलाने के लिए उसे बाजार ले जाकर उसके मन पसंद की गुड़िया और फ़ल दिलाया।

ङ) राधा ने चिड़िया को आज़ाद क्यों कर दिया था ?

उ - राधा को खुद के कमरे में कैद रहने पर स्वतंत्रता का महत्त्व समझ आ गया। इसलिए उसने चिड़िया को आज़ाद कर दिया।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) कहानी का मूलभाव विस्तारपूर्वक लिखिए।

उ - इस कहानी का मूलभाव है कि जीवजंतु हमारी प्रकृति का एक विशेष हिस्सा हैं। बेजुवान होते हुए भी वे हमारे कई उपकार करते हैं। मनुष्य के समान ये भी कैद में रहना पसंद नहीं करते। चाहे कितनी भी

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

सुविधाएँ मिले परंतु कैद में रहना कोई नहीं चाहता। स्वतंत्रता सबका जन्मजात अधिकार है। इसलिए हमें किसी को कैद करके नहीं रखना चाहिए।

ख) कहानी का शीर्षक है 'स्वतंत्रता का महत्व' - इसका क्या अर्थ है? इस कहानी का कोई और शीर्षक रखना हो, तो आप इसका क्या शीर्षक रखेंगे?

उ - कहानी का शीर्षक 'स्वतंत्रता का महत्व' इसका यह अर्थ है कि यह कहानी जीवन में आज़ादी की आवश्यकता को दर्शा रही है। स्वतंत्रता सभी प्राणियों का जन्मजात अधिकार है। इस कहानी में पिंजरे बंद चिड़िया के कष्ट को राधा ने स्वयं कमरे में बंद रहने पर महसूस किया है और उसे आज़ादी का महत्व पता चला है।

इस कहानी का कोई और शीर्षक रखना हो तो हम इस प्रकार रख सकते हैं - 'हम आज़ाद हैं' 'चिड़िया की आज़ादी', 'मुझे कैद न करो' आदि।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

भाषाज्ञान

१. 'पेड़ पर सुंदर चिड़िया बैठी है'। इस वाक्य में 'सुंदर' शब्द चिड़िया की विशेषता बता रहा है। आप भी उचित विशेषता वाले शब्द, नीचे लिखे शब्दों में से चुनकर गोलाकार आकृति में लिखिए। (काला मोटी चौकोर चालाक खूवसूरत)

काला	मोटी	खूबसूरत	चौकोर	चालाक
बादल	बिल्ली	लड़की	डिब्बा	लोमड़ी

२. 'पर' का अर्थ है – पराया, दूसरा या अन्य और 'स्व' का अर्थ है – अपना। 'पर' से शब्द वने हैं – परतंत्र। परोपकार, परदेस, परलोक आदि। इस सभी शब्दों में 'पर' उपसर्ग इन्हीं अथों में प्रयुक्त हुआ है।

इसी प्रकार 'स्व' उपसर्ग से भी उसी के आधार पर शब्द बनाइए –

स्वदेश, स्वभाव, स्वस्थान

३. **शब्द - ज्ञान**

कभी – कभी दो भाषाओं से मिलकर भी शब्द बन जाते हैं। ऐसे शब्दों को संकर शब्द कहा जाता है।

जैसे – रेलगाड़ी – रेल (अंग्रेजी) + गाड़ी (हिंदी)

वर्षगाँठ – वर्ष (संस्कृत) + गाँठ (हिंदी)

उड़नतश्तरी – उड़न (हिंदी) + तश्तरी (फ़ारसी)

ऐसे कुछ शब्द लिखिए –

रेलयात्री किताबघर पूँजीपति